

तकनीक ने हमारे जीवन में एक नई दुनिया खोल दी है। अब हम दूर के लोगों से भी आसानी से बात कर सकते हैं। हम वीडियो कॉल करके उन्हें देख भी सकते हैं। यह बहुत ही अच्छा है। लेकिन, इस नए जमाने में हमारे पुराने रिश्ते बदल रहे हैं।

पहले हम अपने परिवार और दोस्तों के साथ खेलते, बात करते और समय बिताते थे। हम एक-दूसरे की भावनाएं समझते थे। लेकिन अब, बहुत से लोग अपने मोबाइल फोन में खो गए हैं। वे अपने आस-पास के लोगों को भूल जाते हैं। इससे हमारे घरों में भी खामोशी छा रही है।

बच्चे भी मोबाइल फोन और कंप्यूटर के आदी हो रहे हैं। वे बाहर खेलने के बजाय घर में ही रहना पसंद करते हैं। इससे उनकी दोस्ती कम हो रही है। हमें ध्यान रखना चाहिए कि तकनीक हमारे जीवन का हिस्सा हो सकती है, लेकिन यह हमारा पूरा जीवन नहीं बननी चाहिए।

- **सामाजिक आलोचना:** आधुनिक तकनीक ने सामाजिक आलोचना को बढ़ा दिया है, जैसे कि सामाजिक मीडिया पर घमंड और जातिवाद की बढ़ती गहराइयों को प्रकट करने में।
- **अवसाद और आत्महत्या:** ऑनलाइन बुलाइंग, सोशल मीडिया पर नकारात्मक ट्रोलिंग, और आत्महत्या केस की वृद्धि तकनीक के अवबोध और सोशल दबाव के कारण हो रही है।
- **व्यक्तिगत गोपनीयता का उल्लंघन:** तकनीक के बढ़ते उपयोग ने व्यक्तिगत गोपनीयता के संरक्षण को चुनौती दिया है, और डेटा लीकेज और ऑनलाइन गोपनीयता की चिंता बढ़ा दी है।
- **फैक न्यूज़ और डिज़इनफॉर्मेशन:** सोशल मीडिया पर फैक न्यूज़ और डिज़इनफॉर्मेशन का प्रसार तकनीक के माध्यम से तेजी से हो रहा है, जिससे लोगों के बीच विश्वासघात और आपसी संवाद की गई चुनौती है।

इसलिए, तकनीक का समाजिक संपर्क पर अंशग्रस्त प्रभाव है, और हमें इसका सद्गुण हासिल करने और नकारात्मक पहलुओं को संभालने की दिशा में काम करना होगा।

आइए, हम अपने फोन को थोड़ा सा दूर रखें और अपने परिवार और दोस्तों के साथ समय बिताएं। बातचीत करें, खेलें, हँसें और एक-दूसरे की कदर करें। याद रखें, अच्छे रिश्ते ही हमारी ज़िंदगी को खूबसूरत बनाते हैं।